योगी लगातार चार साल पूरे करने वाले भाजपा के पहले सीएम बने

लखनऊ | अजित खरे

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने कार्यकाल के चार साल लगातार पूरे करने वाले भारतीय जनता पार्टी के पहले मुख्यमंत्री बन गए हैं। गुरुवार को उन्होंने बतौर मुख्यमंत्री 1,460 दिन पूरे कर लिए। अपनी सरकार के नाम कई रिकार्ड बनाने वाले मुख्यमंत्री पांचवें वर्ष में प्रवेश करने जा रहे हैं।

राज्य में गोविंद वल्लभ पंत से लेकर योगी आदित्यनाथ तक अब तक 21 शख्सियत राज्य की कमान संभाल चुकी हैं। लगातार सर्वाधिक लंबे समय तक मुख्यमंत्री बने रहने का रिकार्ड कांग्रेस के डॉ. सम्पूर्णानंद के नाम है। वह 28 दिसंबर 1954 से 6 दिसंबर 1960 तक मुख्यमंत्री रहे।

योगी से पहले भाजपा के मुख्यमंत्री राजनाथ सिंह थे। उससे पहले राम प्रकाश गुप्त को मौका मिला जबकि उससे पहले कल्याण सिंह के हाथ में राज्य की कमान थी। भाजपा के तीनों मुख्यमंत्री 21 सितंबर 97 से 8 मार्च 2002 तक मुख्यमंत्री रहे। इस तरह पांच साल के कार्यकाल में भाजपा के तीन नेताओं को मुख्यमंत्री बनने का मौका मिला। कल्याण सिंह भाजपा की बहुमत वाली सरकार का नेतृत्व करते हुए 1991 में पहली बार मुख्यमंत्री बने थे।

पारादीप पत्तन न्यास

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

कार्य का नाम : "आईओएचपी में 08 (आठ) संरक्षक यांत्रिक लौह अयस्क/लौह अयस्क पैलिट प्लॉट्स का आबंटन। लाइसेंस शुल्क : रु.2,78,22,630/-, गोदी शुल्क : रु.15,20,430/-,बोली जमा करने की अंतिम तिथि व समय : दिनांक : 23.03.2021 को 1700 बजे तक, खुलने की तिथि व समय : दिनांक : 24.03.2021 को 1600 बजे । विस्तृत जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट : https://eprocure.gov.in/eprocure/app देखें। वरिष्ठ सहायक यातायात प्रबंधक

PPT/PR/445/20-21, दिनांक.18.03.2021

पिंक बूथ और यूपी 112 की सौगात

लखनऊ। महिलाओं की सुरक्षा के लिये कटिबद्ध यूपी सरकार ने लखनऊ में 100 पिंक बूथ लगवाने का निर्णय लिया। इसमें आधे पिंक बूथ चौराहों पर तैयार भी हो गये हैं और इनमें बाकायदा महिला पुलिसकर्मियों की डयूटी लगनी शुरू हो गई। इसी तरह यूपी सरकार ने यूपी-112 को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया।

पूर्वोत्तर रेलवे सूचना सं. 60/2021

रेल यात्री बन्धुओं के लिये आवश्यक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित विशेष गाडियों के संचलन का परिवर्तित समय नीचे दिये गये विवरण के अनुसार होगा:-

05024 यशवंतपुर–गोरखपुर विशेष गाड़ी
(यात्रा प्रारम्भ करने की तिथि 08.04.2021 से)

स्टेशन	05024 यशवंतपुर–गोरखपुर			
	वर्तमान समय		संशोधित समय	
	आगमन	प्रस्थान	आगमन	प्रस्थान

दूरदर्शी नीतियों पर केंद्रित समग्र विकास का लाभ 24 करोड़ जनता तक पहुंचाया

एक्सप्रेस वे, नौकरियां, निवेश चार साल में इनसे बदला यूपी

बदलता प्रदेश

लखनऊ | विशेष संवाददाता

प्रदेश सरकार के बीते चार साल के कार्यकाल में एक्सप्रेस वे, नौकरी, निवेश और महिला सशक्तीकरण जैसे अहम मुद्दों पर हुए ठोस काम ने यूपी की छवि बदली है। योगी सरकार ने इन चार वर्षों में नई दृष्टि, तकनीक और उद्यमशीलता को कामकाज का यंत्र बनाया है।

नई दृष्टि का मतलब है काम के नए तौर तरीके अपना कर विकास के नए आयाम गढ़ना। दूरदर्शी नीतियों पर केंद्रित समग्र विकास करते हुए उसका लाभ 24 करोड़ जनता तक पहुंचाने में नई दृष्टि भी है, तकनीक भी और उद्यमशीलता भी।

यह योगी राज है, जिसमें आम लोगों की जिंदगी को आसान बनाने वाले हर पहलू पर सरकार का ध्यान गया है। मुख्यमंत्री ने जहां एक ओर उत्तर प्रदेश विधानसभा में सतत विकास के लक्ष्य व गांधी जयंती पर विशेष सत्र आयोजित करवाएं। वहीं प्रयागराज कुंभ का कामयाब आयोजन कर दुनिया भर में यूपी की धाक जमा दी। साथ ही उन्होंने लाखों करोड़ों नवजवानों, किसानों, मजदूरों और महिलाओं की भी फिक्र की। कर्ज माफी, रोजगार अभियान, श्रमिकों को राहत व मिशन शक्ति जैसे अभियान इसकी बानगी हैं।

ई-कैबिनेट और ई-बजट इस सरकार की देन है। तकनीक का इस्तेमाल केवल यहीं नहीं है। ढेरों एप बना करईज आफ डूइंग बिजनेस व ईज आफ लिविंग को परवान चढ़ाया गया है और तकनीक के भरोसे पारदर्शिता लाते हुए भ्रष्टाचार पर लगाम लगाई गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दूरगामी सोच के तहत पांच ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य रखा तो सबसे बड़े राज्य यूपी ने इसमे अपने लिए वन ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य लेते हुए बकायदा उस दिशा में काम भी शुरू कर दिया है।

मंत्रियों की लगी कक्षाः

मुख्यमंत्री ने एक और नई पहल की। अपने सारे मंत्रियों व अफसरों को आईआईएम जैसी प्रतिष्ठित संस्था से प्रशिक्षण दिलवाया। इसके बाद उन्हें टास्क दिया गया। सेक्टरवार नीतियां बनीं और उन पर अमल के लिए कार्ययोजना बनी। सतत विकास के लक्ष्य के लिए यह सारी कवायद की गई। यूपी के सारे मंत्री अब आईपैड व लैपटाप रखते हैं बल्कि उस पर काम भी करते हैं।

57 हजार स्कूलों में सुविधाएं जुटाईं

01 करोड़ 50 लाख बच्चों को मिले बैग

ऑपरेशन कायाकल्प ने बदली शिक्षा की तस्वीर

लखनऊ। चमचमाती बिल्डिंग, जूते-मोजे, स्कूल बैग, स्वेटर और अंग्रेजी माध्यम के शिक्षण से लैस यूपी के ये नए स्कूल हैं। मिशन प्रेरणा और ऑपरेशन कायाकल्प के साथ बुनियादी शिक्षा को पिछले चार सालों में बहुत ज्यादा सुधार किया गया। वर्ष 2023 तक प्रदेश को प्रेरक प्रदेश बनाने की शपथ ली गई है। प्रेरक प्रदेश यानी 80 फीसदी बच्चे अपनी कक्षा के मुताबिक, न्यूनतम लर्निंग गोल को 2023 तक प्राप्त करेंगे। मुख्यमंत्री ने चार साल पहले 'स्कूल चलो अभियान' की शुरुआत करने के साथ बुनियादी शिक्षा में सुधार की घोषणा कर दी थी। ऑपरेशन कायाकल्प से बुनियादी सुविधाएं जुटाई गईं। 2018 से ऑपरेशन कायाकल्प की शुरुआत की गई। अब कई स्कूलों की तस्वीरें प्राइवेट स्कूलों के टक्कर की लगती हैं। अब तक 2019-20 में 83 हजार और 2020-21 में 57 हजार से ज्यादा स्कूलों में टाइल्स, ब्लैकबोर्ड जैसी 14 सुविधाएं जुटाई जा चुकी हैं। प्रदेश के 1.50 करोड़ बच्चों को जूते-मोजे, स्वेटर, बैग भी नि:शुल्क दिए जा रहे हैं।

साक्षरता की नई पहल

- प्रदेश में प्री प्राइमरी की कक्षाएं शुरू होंगी, तीन से छह वर्ष तक के 39,56,087 बच्चों को लाभ मिलेगा
- स्कूल चलो अभियान के तहत चार वर्ष में 4.80 करोड़ अधिक बच्चों का हुआ नामांकन
- वनटांगिया गांवों में 33 प्राइमरी व उच्च प्राइमरी स्कूलों का निर्माण
- 15 हजार स्कूल अंग्रेजी माध्यम के हुए
- 24,721 जूनियर हाईस्कूलों का प्राइमरी स्कूलों में हुआ संविलियन
- पे रोल मॉड्यूल लागू करने वाला पहला विभाग, शिक्षकों को वेतन मिलेगा समय पर

विकास

गहराई से किया गया हर क्षेत्र में होमवर्क

एक्सप्रेसवे, एयरपोर्ट, सड़क, अस्पताल, हवाई सेवा, पर्यटन के साथ साथ जनता के कल्याण के लिए शुरू की गई तमाम योजनाओं को यूं ही नहीं लागू कर दिया गया। मुख्यमंत्री ने पहले इन सबका अध्ययन करवाया। इसके बाद खुद सबका प्रजेंटेशन देखा और उसमें जरूरी संशोधन कराए।

निवेश

वैश्विक बाजार के बदलते रुख को पहचाना

योगी सरकार ने वैश्विक बाजार के बदलते रुख व तरक्की को देखते हुए भांप लिया कि अब परंपरागत क्षेत्रों में निवेश के साथ नई राह भी खोलनी होगी। इसे देखते हुए डाटा सेंटर नीति बनाई और उससे पहले ही इस क्षेत्र में निवेश के लिए कंपनियों ने यूपी में दस्तक दे दी। हीरानंदानी समूह ने तो डाटा सेंटर लगाने का काम शुरू कर दिया। नई नीतियां बनाई गईं।

कानून व्यवस्था

अपराध पर कठोर रवैया

अपराधियों के प्रति योगी सरकार के कठोर रुख के कारण ही उनमें भय का माहौल बना और वहां से चले गए। जो शातिर अपराधी फिर भी नहीं माने और पुलिस को चुनौती देने लगे तो पुलिस मुठभेड़ में मारे गए। आसानी से यकीन नहीं होता है कि वर्षों से माफिया के कब्जे में रही जमीन अब मुक्त हो गई है।